

حساب ختامي موازنة السلطة المحلية

للسنة المالية ٢٠٠٩م

محافضة : شبوة

مديرية : مركز المحافظه

حساب الموازنة والمضاف من الحسابات الجارية

| أولاً : المـوارد العامة | | ثانياً : الاستخدامات العامة | |
|---|-------------------------|-----------------------------|-----------------------------|
| فقطي السنة المالية ٢٠٠٩م | ربط السنة المالية ٢٠٠٩م | فقطي السنة المالية ٢٠٠٩م | تقديرات السنة المالية ٢٠٠٩م |
| (أ) موازنة التشغيل | | | |
| الباب الثاني(٢) : المنح: | ٢٠٧٣٦,٢٧٠,٨٨٩ | ٢٠٤٨٨,٣٩٠,٠٠٠ | ٢٠٣٨٦,٢٥٣,١٧١ |
| منح جارية من حكومات خارجية (نقدية أو عينية أو فنية) | | | ٣٦٢,١٧٣,٠٠٠ |
| منح جارية من منظمات دولية (نقدية أو عينية أو فنية) | | | ٢٩,٨١١,٠٠٠ |
| منح جارية من مستويات حكومية أخرى (الدعم المركزي الجاري) | ٢٠٧٣٦,٢٧٠,٨٨٩ | ٢٠٤٨٨,٣٩٠,٠٠٠ | ٢٠٧٤٨,١٤٧,١٠٦ |
| المجموع | ٢٠٧٣٦,٢٧٠,٨٨٩ | ٢٠٤٨٨,٣٩٠,٠٠٠ | ٢٠٧٤٨,١٤٧,١٠٦ |
| الباب الأول (١) : الإيرادات الضريبية (بدون المشتركة) | ٦٨,٠٠٤,٣٨٤ | ٣٣,٤٤٠,٠٠٠ | |
| الباب الثاني(٢) : المنح : | | | |
| منح رأسمالية من حكومات خارجية (نقدية أو عينية أو فنية) | | | |
| منح رأسمالية من منظمات دولية (نقدية أو عينية أو فنية) | | | |
| منح رأسمالية من مستويات حكومية أخرى: | | | |
| - دعم مركزي رأسمالي | | | |
| - الحصص من الموارد العامة المشتركة | | | |
| - الحصص المورعة من الموارد المسرحة (مع الموارد المسرحة حسابات جارية خاصة) | ٦٨,٠٠٤,٣٨٤ | ٣٣,٤٤٠,٠٠٠ | |
| الباب الثالث (٣): إيرادات دخل الملكية ومبيعات السلع والخدمات والتحويلات والمتنوعة (بدون المشتركة) | ٢٠٨٠٤,٢٧٥,٢٧٣ | ٢٠٥٢١,٨٣٠,٠٠٠ | ٢٠٧٤٨,١٤٧,١٠٦ |
| المجموع | ٢٠٨٠٤,٢٧٥,٢٧٣ | ٢٠٥٢١,٨٣٠,٠٠٠ | ٢٠٧٤٨,١٤٧,١٠٦ |
| عجز رصيد التشغيل | | | ٣٣,٤٤٠,٠٠٠ |
| الإجمالي | ٢٠٨٠٤,٢٧٥,٢٧٣ | ٢٠٥٢١,٨٣٠,٠٠٠ | ٢٠٨٠٤,٢٧٥,٢٧٣ |
| (ب) المعاملات في الأصول غير المالية | | | |
| فائض رصيد التشغيل | ٥٦,١٢٨,١٦٧ | ٣٣,٤٤٠,٠٠٠ | |
| الباب الرابع (٤) : التصرف في الأصول غير المالية | | | |
| الفصل الأول (٠١) : التصرف في مبيعات الأصول الثابتة | | | ٨٣,٣٦٧,٠٤٢ |
| الفصل الثالث (٠٣) : التصرف في الأصول غير المنتجة / مبيعات الأراضي | | | ٨٣,٣٦٧,٠٤٢ |
| المجموع | ٥٦,١٢٨,١٦٧ | ٣٣,٤٤٠,٠٠٠ | ٨٣,٣٦٧,٠٤٢ |
| العجز النقدي | ٢٧,٢٣٨,٨٧٥ | ١٢,٦٦٦,٠٠٠ | |
| الإجمالي | ٨٣,٣٦٧,٠٤٢ | ٤٦,١٠٦,٠٠٠ | ٤٦,١٠٦,٠٠٠ |
| (ج) المعاملات في الأصول والالتزامات المالية (التمويل) | | | |
| الفائض النقدي | | | ٢٧,٢٣٨,٨٧٥ |
| عجز موازنة المحافظة | | | ١٢,٦٦٦,٠٠٠ |
| التغير في النقدية والودائع المحلية (+) | ٢٧,٢٣٨,٨٧٥ | ١٢,٦٦٦,٠٠٠ | |
| إجمالي الموارد العامة للمحافظة | ٢٠٨٣١,٥١٤,١٤٨ | ٢٠٥٣٤,٤٩٦,٠٠٠ | ٢٠٨٣١,٥١٤,١٤٨ |

حساب ختامي موازنة السلطة المحلية للسنة المالية ٢٠٠٩م

جدول الموارد المحلية على مستوى الأبواب والفصول

المبالغ بالريال

| نسبة النقص | النقص | نسبة الزيادة | الزيادة | تقديرات السنة المالية ٢٠٠٩م | فعلي السنة المالية ٢٠٠٩م | البيان | ٣٠ | ٣١ | ٣٢ | ٣٣ | فعلي السنة المالية ٢٠٠٨م | فعلي السنة المالية ٢٠٠٧م |
|---------------|-------|--------------|-------------|--------------------------------|--------------------------|---|----|----|----|----|--------------------------|-----------------------------|
| | | ١٠,٤% | ٢٦٢,٢٥٩,١٦٤ | ٢,٥٢١,٨٣٠,٠٠٠ | ٢,٧٨٤,٠٨٩,١٦٤ | الإجمالي العام للموارد المحلية | | | | | ٢,٤٥٩,٦٧٥,١٢٨ | ٢,٨٩٧,٠٧٦,٨٩٣ |
| | | | | | | الإيرادات الضريبية | | ١ | | | | |
| | | | | | | إيرادات الزكاة | | ١ | | | | |
| | | | | | | الضرائب على الدخل والأرباح والمكاسب الرأسمالية | | ٢ | | | | |
| | | | | | | الضرائب على رواتب وأجور القوى العاملة | | ٣ | | | | |
| | | | | | | الضرائب على الملكية | | ٤ | | | | |
| | | | | | | الضرائب على السلع والخدمات | | ٥ | | | | |
| | | ١٠,٤% | ٢٦٢,٢٥٩,١٦٤ | ٢,٥٢١,٨٣٠,٠٠٠ | ٢,٧٨٤,٠٨٩,١٦٤ | المنح | | | ٢ | | ٢,٤٥٩,٦٧٥,١٢٨ | ٢,٨٩٣,١١١,٨٤٥ |
| | | | | | | منح من حكومات خارجية | | ١ | | | | |
| | | | | | | منح من منظمات دولية | | ٢ | | | | |
| | | ١٠,٤% | ٢٦٢,٢٥٩,١٦٤ | ٢,٥٢١,٨٣٠,٠٠٠ | ٢,٧٨٤,٠٨٩,١٦٤ | منح من مستويات حكومية أخرى | | ٣ | | | ٢,٤٥٩,٦٧٥,١٢٨ | ٢,٨٩٣,١١١,٨٤٥ |
| | | ١٠,٠% | ٢٤٧,٨٨٠,٨٨٩ | ٢,٤٨٨,٣٩٠,٠٠٠ | ٢,٧٣٦,٢٧٠,٨٨٩ | منح جارية من مستويات حكومية أخرى | | ١ | | | ٢,٤٢٢,٦٦٦,١٧٦ | ٢,٨٥١,٨٠٠,٩٣٠ |
| | | ١٠,٠% | ٢٤٧,٨٨٠,٨٨٩ | ٢,٤٨٨,٣٩٠,٠٠٠ | ٢,٧٣٦,٢٧٠,٨٨٩ | الدعم المركزي الجاري | | ١ | | | ٢,٤٢٢,٦٦٦,١٧٦ | ٢,٨٥١,٨٠٠,٩٣٠ |
| | | | ١٤,٣٧٨,٢٧٥ | ٣٣,٤٤٠,٠٠٠ | ٤٧,٨١٨,٢٧٥ | منح رأسمالية من مستويات حكومية أخرى | | ٢ | | | ٣٧,٠٠٨,٩٥٢ | ٤١,٣١٠,٩١٥ |
| | | | | | | الدعم المركزي الرأسمالي | | ١ | | | ٩,٦٩٧,٠٠٠ | |
| | | | | | | الحصة من الموارد العامة المشتركة | | ٢ | | | | ١٠,١٧١,٣١٥ |
| | | ٤٣,٠% | ١٤,٣٧٨,٢٧٥ | ٣٣,٤٤٠,٠٠٠ | ٤٧,٨١٨,٢٧٥ | الحصة من الموارد المشتركة | | ٣ | | | ٢٧,٣١١,٩٥٢ | ٣١,١٣٩,٦٠٠ |
| | | | | | | إيرادات دخل الملكية ومبيعات السلع والخدمات والتحويلات والمتنوعة | | | ٣ | | | ٣,٩٦٥,٠٤٨ |
| | | | | | | دخل الملكية | | ١ | | | | |
| | | | | | | مبيعات السلع والخدمات | | ٢ | | | | ٣,٩٦٥,٠٤٨ |
| | | | | | | الغرامات والجزاءات والمصادرات | | ٣ | | | | |
| | | | | | | التحويلات الطوعية بخلاف المنح | | ٤ | | | | |
| | | | | | | إيرادات أخرى متنوعة | | ٥ | | | | |
| | | | | | | التصرف في الأصول غير المالية | | | ٤ | | | |
| | | | | | | التصرف في الأصول الثابتة | | ١ | | | | |
| | | | | | | التصرف في الأصول غير المنتجة | | ٣ | | | | |
| | | ١٠,٤% | ٢٦٢,٢٥٩,١٦٤ | ٢,٥٢١,٨٣٠,٠٠٠ | ٢,٧٨٤,٠٨٩,١٦٤ | الإجمالي العام للإيرادات | | | | | ٢,٤٥٩,٦٧٥,١٢٨ | ٢,٨٩٧,٠٧٦,٨٩٣ |
| | | ١٠,٤% | ٢٦٢,٢٥٩,١٦٤ | | | صافي الزيادة او النقص | | | | | | |

حساب ختامي موازنة السلطة المحلية للسنة المالية ٢٠٠٩م

جدول الاستخدامات على مستوى الأبواب والفصول

المبالغ بالريال

| نسبة التجاوز | التجاوز | نسبة الوفر | الوفر | إعتمادات السنة المالية ٢٠٠٩م | فعلي السنة المالية ٢٠٠٩م | البيان | رقم | رقم | فعلي السنة المالية ٢٠٠٨م | فعلي السنة المالية ٢٠٠٧م |
|-----------------|-------------|------------|------------|---------------------------------|--------------------------|-------------------------------------|-----|-----|--------------------------|-----------------------------|
| %١٣,٦ | ٣٤٥,١٥٥,٤٧٣ | %١,٩ | ٤٨,١٣٧,٣٢٥ | ٢,٥٣٤,٤٩٦,٠٠٠ | ٢,٨٣١,٥١٤,١٤٨ | إجمالي الاستخدامات | | | ٢,٤٦٣,٤٦٣,٣٥٣ | ٢,٨٨٠,٠٨٨,٨٣٨ |
| %١٣,٨ | ٢٨٩,٨٤٧,١٧١ | | | ٢,٠٩٦,٤٠٦,٠٠٠ | ٢,٣٨٦,٢٥٣,١٧١ | أجور وتعويضات العاملين | | ١ | ٢,١٥٨,٤٠٦,٣٥٥ | ٢,٦٠٣,٣٦٧,٨٠٥ |
| %١٤,٤ | ٢٨٢,٥١٨,٢٣٥ | | | ١,٩٦٥,٢٦٧,٠٠٠ | ٢,٢٤٧,٧٨٥,٢٣٥ | المرتبات والأجور وما في حكمها | ١ | | ٢,٠٣٣,٧٦٨,٦٢٤ | ٢,٤٩٧,٤٤٠,٧٨٩ |
| %٥,٦ | ٧,٣٢٨,٩٣٦ | | | ١٣١,١٣٩,٠٠٠ | ١٣٨,٤٦٧,٩٣٦ | المساهمات الاجتماعية | ٢ | | ١٢٤,٦٣٧,٧٣١ | ١٠٥,٩٢٧,٠١٦ |
| | | %١٣,٣ | ٤٨,١٣٧,٣٢٥ | ٣٦٢,١٧٣,٠٠٠ | ٣١٤,٠٣٥,٦٧٥ | نفقات على السلع والخدمات والممتلكات | | ٢ | ٢٥٢,٩٠٥,١٨٢ | ٢٤٥,٦٦٠,٩٧٣ |
| | | %٩,٠ | ٢٣,٣٦٨,٣٧٧ | ٢٦٠,٧٠٢,٠٠٠ | ٢٣٧,٣٣٣,٦٢٣ | السلع والخدمات | ١ | | ١٨٧,٢٦٣,٣٠٣ | ١٨٦,٨٩١,٠٠٧ |
| | | %٢٤,٤ | ٢٤,٧٦٨,٩٤٨ | ١٠١,٤٧١,٠٠٠ | ٧٦,٧٠٢,٠٥٢ | الصيانة | ٢ | | ٦٥,٦٤١,٨٧٩ | ٥٨,٧٦٩,٩٦٦ |
| | | | | | | مدفوعات القوائد | ٣ | | | |
| | | | | | | استهلاك رأس المال الثابت | ٤ | | | |
| | | | | | | نفقات على الممتلكات بخلاف القوائد | ٥ | | | |
| %٦٠,٥ | ١٨,٠٤٧,٢٦٠ | | | ٢٩,٨١١,٠٠٠ | ٤٧,٨٥٨,٢٦٠ | الإعانات والمنح والمنافع الاجتماعية | | ٣ | ٣٢,٨٤٣,٨٢٠ | ٢٦,٩٤٦,٥٦٠ |
| | | | | | | الإعانات المالية | ١ | | | |
| | | | | | | المنح | ٢ | | | |
| %٣٥,٧ | ٨,٩٨٠,٦٠٠ | | | ٢٥,١٤٧,٠٠٠ | ٣٤,١٢٧,٦٠٠ | المنافع الاجتماعية | ٣ | | ٢٨,١٨١,٧٠٠ | ٢٥,٥٢٦,٦٠٠ |
| %١٩٤,٤ | ٩,٠٦٦,٦٦٠ | | | ٤,٦٦٤,٠٠٠ | ١٣,٧٣٠,٦٦٠ | تحويلات وإعانات مالية أخرى | ٤ | | ٤,٦٦٢,١٢٠ | ١,٤١٩,٩٦٠ |
| %٨٠,٨ | ٣٧,٢٦١,٠٤٢ | | | ٤٦,١٠٦,٠٠٠ | ٨٣,٣٦٧,٠٤٢ | اكتساب الأصول غير المالية | | ٤ | ١٩,٣٠٧,٩٩٦ | ٤,١١٣,٥٠٠ |
| %٨٠,٨ | ٣٧,٢٦١,٠٤٢ | | | ٤٦,١٠٦,٠٠٠ | ٨٣,٣٦٧,٠٤٢ | اكتساب الأصول الثابتة | ١ | | ١٩,٣٠٧,٩٩٦ | ٤,١١٣,٥٠٠ |
| | | | | | | اكتساب الأصول غير المنتجة | ٣ | | | |
| %١٣,٦ | ٣٤٥,١٥٥,٤٧٣ | %١,٩ | ٤٨,١٣٧,٣٢٥ | ٢,٥٣٤,٤٩٦,٠٠٠ | ٢,٨٣١,٥١٤,١٤٨ | إجمالي الاستخدامات | | | ٢,٤٦٣,٤٦٣,٣٥٣ | ٢,٨٨٠,٠٨٨,٨٣٨ |
| %١١,٧ | ٢٩٧,٠١٨,١٤٨ | | | | | | | | | |

حساب ختامي موازنة السلطة المحلية للسنة المالية ٢٠٠٩م

الموارد الفعلية المحلية للوحدة الادارية على مستوى المكاتب والباب والفصل والبند والنوع

المبالغ بالريال

[illegible]

محافظة : شبوة

مديرية : مركز المحافظة

حساب ختامي موازنة السلطة المحلية للسنة المالية ٢٠٠٩م

الموارد الفعلية المحلية للوحدة الادارية على مستوى المكاتب والباب والفصل والبند والنوع

المبالغ بالريال

| البيان | النوع | البند | الفصل | الباب | فئتي السنة المالية ٢٠٠٨م | فئتي السنة المالية ٢٠٠٧م |
|---|-------|-------|-------|-------|--------------------------|--------------------------|
| الحصة من الموارد العامة المشتركة | ٢ | | | | ١٠٠١٧١٠٣١٥ | ٤٧٠٨١٨٠٢٧٥ |
| الحصة من الموارد المشتركة | ٣ | | | | ٢٧٠٣١١٠٩٥٢ | ٣١٠١٣٩٠٦٠٠ |
| إيرادات دخل الملكية ومبيعات السلع والخدمات والتحويلات والمتنوعة | | | ٣ | | ٣٩٦٥٠٠٤٨ | |
| مبيعات السلع والخدمات | | | ٢ | | ٣٩٦٥٠٠٤٨ | |
| مبيعات عرضية للمنشآت غير السوقية | | ٣ | | | ٣٩٦٥٠٠٤٨ | |
| مبيعات عرضية أخرى للمنشآت غير السوقية | ١٩ | | | | ٣٩٦٥٠٠٤٨ | |
| النقص | | | | | | |
| الزيادة | | | | | ١٤٠٣٧٨٠٢٧٥ | |
| ربط السنة المالية ٢٠٠٩م | | | | | ٣٢٠٤٤٠٠٠٠٠ | |
| فئتي السنة المالية ٢٠٠٩م | | | | | ٤٧٠٨١٨٠٢٧٥ | |
| كلية المجتمع عدن | | | | | | |
| جامعة عدن | | | | | | |
| م. أمن نفطر | | | | | | |
| م. العلي للعلوم الصحية | | | | | | |
| م. العلي للارشاد | | | | | | |
| م. التوجيه والإرشاد | | | | | | |
| المواصفات | | | | | | |
| الصناعة والتجارة | | | | | | |
| النقل | | | | | | |
| الاتصالات | | | | | | |
| حمية البيئة | | | | | | |
| المياه والبيئة | | | | | | |
| الكهرباء | | | | | | |
| النظ | | | | | | |
| مركز علوم البحار | | | | | | |
| الثروة السمكية | | | | | | |
| الزراعة والري | | | | | | |
| م. الاراضي والسياحة | | | | | | |
| الانشغال العامة | | | | | | |
| م. التدريب الاعلامي | | | | | | |
| الاعلام | | | | | | |
| م.ع لتنشيط السياحة | | | | | | |
| وزارة السياحة | | | | | | |
| الكتاب | | | | | | |
| المعن التاريخية | | | | | | |
| الآثار | | | | | | |
| الثقافة | | | | | | |
| الشباب | | | | | | |
| اسر الشهداء | | | | | | |
| الشئون والعمل | | | | | | |
| الصحة والسكان | | | | | | |
| التعليم الفني | | | | | | |
| مركز الدراسات | | | | | | |
| جهاز محو الأمية | | | | | | |
| مركز البحوث | | | | | | |
| التربية | | | | | | |
| خطر السواحل | | | | | | |
| شئون القبائل | | | | | | |
| السجون | | | | | | |
| الجوازات | | | | | | |
| الأحوال المدنية | | | | | | |
| الداخلية | | | | | | |
| الإدارة المحلية | | | | | | |
| الضرائب | | | | | | |
| الجمارك | | | | | | |
| المركزية | | | | | | |
| المالية | | | | | | |
| المعهد الوطني | | | | | | |
| الخدمة | | | | | | |
| الإحصاء | | | | | | |
| التخطيط | | | | | | |
| القانون القانونية | | | | | | |
| المختبرين | | | | | | |
| الخارجية | | | | | | |
| الموارد المائية | | | | | | |
| م. الوطني للسكان | | | | | | |
| م. الأعلى للمرأة | | | | | | |
| رئاسة الوزراء | | | | | | |
| الانتخابات | | | | | | |
| التيهية العامة | | | | | | |
| وزارة العدل | | | | | | |
| م. الوطني للوثائق | | | | | | |
| الرقابية والمحاسبة | | | | | | |
| رئاسة الجمهورية | | | | | | |
| المجلس المحلي | | | | | ٤٧٠٨١٨٠٢٧٥ | |

حساب ختامى موازنة السلطة المحلية للسنة المالية ٢٠٠٩م
الاستخدامات الفعلية للوحدة الادارية على مستوى المكاتب والباب والفصل والبند والنوع

[illegible]

[illegible]

| المحافظات | | | | | | | | | | | | | | | | | البيان | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-----------|-----------|-----------------------------|--------------------------|------------------|------------------|--------|-----------|----------------|----------|--------|----------------|---------------|-----------------|---------|---------------|---------|---------|---------------|---------------|---------------|-----------|-----------------|----------|--------|---------|------------------|----------|---------------|----------------------|-------------------------|--|----------------|------------|---------|-----------------------|---------------------|----------------------|----------------------------|---------------------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| التجاوز | الوفر | تقديرات السنة المالية ٢٠٠٩م | فئتي السنة المالية ٢٠٠٩م | التوجيه والإرشاد | الصناعة والتجارة | النقل | الاتصالات | المياه والبيئة | الكهرباء | النقط | الثروة السمكية | الزراعة والري | الانشغال العامة | الاعلام | وزارة السياحة | الثقافة | الشباب | الشئون والعمل | الصحة والسكان | التعليم الفني | التربية | الادارة المحلية | المالية | الخدمة | التخطيط | الشئون القانونية | المقربين | المجلس المحلي | نفقات التدريب المحلي | نفقات سلعية وخدمية أخرى | أدوية ومستلزمات طبية ومواد أولية ومساندة | أغذية وملبوسات | نفقات أخرى | الصيانة | صيانة البنية الأساسية | صيانة الطرق والجسور | صيانة المرافق العامة | صيانة مباني وتحسينات صغيرة | صيانة المركبات والمعدات والأثاث | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | ٣,٠٠٩,٠٠٠ | ٣,٠١٢,٠٠٠ | ٣,٠٠٠ | ١٤٤,٨٨٠ | ٩٩,٩٦٠ | ٨١,٠٠٠ | | | | ٦٦,٠٠٠ | ٨٠,٢٠٧٥٠ | ٢٨٢,٥٩٠ | ١,٥٣٤,٣٤٥ | ١١٥,٨٦٠ | ٤٢,٠٠٠ | ١٩١,٤٦٠ | ٥٧٩,٧٦٤ | ٢١٧,٩٠٠ | ١٩,٤٣٧,٩٦٤ | ٣,٦٤٨,٨٠٥ | ١,٩٤٧,٢١٥ | ٤,٢٠٩,٧٢ | ٤,٥٠,٩٧٠ | | ١٢٠,٠٠٠ | ٧٠,٢٥٠ | ٤٩,٠١٠ | ٢٩٧,٥٠٠ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

[illegible]

محافظة : شبوة

مديرية : مركز المحافظة

حساب ختامى موازنة السلطة المحلية للسنة المالية ٢٠٠٩م
الاستخدامات الفعلية للوحدة الادارية على مستوى المكاتب والباب والفصل والبند والنوع

المبالغ بالريال

| نوع بند | ٢ | ٣ |
|-----------------------------|--------------------------------|-----------------------|
| فصل | | |
| باب | | |
| فصل السنة المالية ٢٠٠٨م | | |
| فصل السنة المالية ٢٠٠٧م | | |
| البيان | سداد القروض والسلف قصيرة الأجل | سداد قروض خارجية أخرى |
| المجلس المحلي | | |
| المقررين | | |
| الشؤون القانونية | | |
| التخطيط | | |
| الخدمة | | |
| المانية | | |
| الإدارة المحلية | | |
| التربية | | |
| التعليم الفني | | |
| الصحة والسكان | | |
| الشؤون والعمل | | |
| الشباب | | |
| الثقافة | | |
| وزارة السياحة | | |
| الإعلام | | |
| الإشغال العامة | | |
| الزراعة والري | | |
| الثروة السمكية | | |
| النقط | | |
| الكهرباء | | |
| المياه والبيئة | | |
| الاتصالات | | |
| النقل | | |
| الصناعة والتجارة | | |
| التوجيه والإرشاد | | |
| فصل السنة المالية ٢٠٠٩م | | |
| تعديلات السنة المالية ٢٠٠٩م | | |
| الوفر | | |
| التجاوز | | |

| الرصيد في ٢٠٠٩/١٢/٣١ م | | | | الجملة | | | | عمليات السنة | | | | الرصيد في ٢٠٠٩ /١/١ م | | | | بيان انواع الحسابات الوسيطة |
|------------------------|----|-----------|----|---------------|----|---------------|----|---------------|----|---------------|----|-----------------------|----|------------|----|--|
| دائن | | مدين | | دائن | | مدين | | دائن | | مدين | | دائن | | مدين | | |
| ريال | ف | ريال | ف | ريال | ف | ريال | ف | ريال | ف | ريال | ف | ريال | ف | ريال | ف | |
| | | | | ٨,٤٩٥,٢٥١,٦٩١ | ١ | ٨,٤٩٥,٢٥١,٦٩١ | ١ | ٨,٤٩٥,٢٥١,٦٩١ | ١ | ٨,٤٩٥,٢٥١,٦٩١ | ١ | | | | | الحسابات الرئيسية |
| | | | | ٢,٨٠٤,٢٧٥,٢٧٥ | ٧٢ | ٢,٨٠٤,٢٧٥,٢٧٥ | ٧٢ | ٢,٨٠٤,٢٧٥,٢٧٥ | ٧٢ | ٢,٨٠٤,٢٧٥,٢٧٥ | ٧٢ | | | | | |
| | | | | ٢,٨٣١,٥١٤,١٥٠ | ٣٦ | ٢,٨٣١,٥١٤,١٥٠ | ٣٦ | ٢,٨٣١,٥١٤,١٥٠ | ٣٦ | ٢,٨٣١,٥١٤,١٥٠ | ٣٦ | | | | | الإستخدامات |
| | | | | ٤٧,٨١٨,٢٧٥ | ٣٦ | ٤٧,٨١٨,٢٧٥ | ٣٦ | ٤٧,٨١٨,٢٧٥ | ٣٦ | ٤٧,٨١٨,٢٧٥ | ٣٦ | | | | | حساب البنك موارد محلية |
| | | | | ٢,٧٣٦,٥٨٦,٨٣٩ | ٥٧ | ٢,٧٣٦,٥٨٦,٨٣٩ | ٥٧ | ٢,٧٣٦,٥٨٦,٨٣٩ | ٥٧ | ٢,٧٣٦,٥٨٦,٨٣٩ | ٥٧ | | | | | حساب البنك نفقات تشغيلية محلية |
| | | | | ٧٥,٠٥٧,١٥٠ | | ٧٥,٠٥٧,١٥٠ | | ٧٥,٠٥٧,١٥٠ | | ٧٥,٠٥٧,١٥٠ | | | | | | حساب البنك اكتساب أصول غير مالية محلية |
| | | ٥,١٨٢,٧٠٥ | ٩٩ | ٣,٠٢٨,٨٤٩,٨٢٧ | ٨ | ٣,٠٣٤,٠٣٢,٥٣٣ | ٧ | ٣,٠٢٨,٨٤٩,٨٢٧ | ٨ | ٢,٩٨٥,٦٢١,٢٨٥ | ٧٧ | | | ٤٨,٤١١,٢٤٧ | ٣٠ | الحسابات المساعدة المدينة |
| | | ١,٥٤٦,٩٠٠ | | | | ١,٥٤٦,٩٠٠ | | | | ١,٥٤٦,٩٠٠ | | | | | | حساب النقدية |
| | | ١,٠٦٥,٣٦٣ | ٩٩ | ١٩١,٢٧١,٩١٧ | ٣٦ | ١٩٢,٣٣٧,٢٨١ | ٣٥ | ١٩١,٢٧١,٩١٧ | ٣٦ | ١٤٤,٤٥٩,٤١٠ | ٥ | | | ٤٧,٨٧٧,٨٧١ | ٣٠ | حساب البنك موارد مشتركة |
| | | ٢,٥٧٠,٤٤٢ | | ٢٠,٧٧٨,٣٨٤ | | ٢٣,٣٤٨,٨٢٦ | | ٢٠,٧٧٨,٣٨٤ | | ٢٢,٨١٥,٤٥٠ | | | | ٥٣٣,٣٧٦ | | حساب البنك حسابات جارية |
| | | | | ١٠,٥٣١,٩٧٥ | | ١٠,٥٣١,٩٧٥ | | ١٠,٥٣١,٩٧٥ | | ١٠,٥٣١,٩٧٥ | | | | | | حساب السلف المؤقتة |
| | | | | ٥٩٢,٢٧٥ | | ٥٩٢,٢٧٥ | | ٥٩٢,٢٧٥ | | ٥٩٢,٢٧٥ | | | | | | حساب السلف على الأجور |
| | | | | ١,٤٠٠,٠٠٠ | | ١,٤٠٠,٠٠٠ | | ١,٤٠٠,٠٠٠ | | ١,٤٠٠,٠٠٠ | | | | | | حساب المبالغ المدفوعة مقدما |
| | | | | ٢,٧٤٨,١٤٧,١٠٨ | ٣٦ | ٢,٧٤٨,١٤٧,١٠٨ | ٣٦ | ٢,٧٤٨,١٤٧,١٠٨ | ٣٦ | ٢,٧٤٨,١٤٧,١٠٨ | ٣٦ | | | | | حساب المدينين (مالية) |
| | | | | ٥٦,١٢٨,١٦٧ | ٣٦ | ٥٦,١٢٨,١٦٧ | ٣٦ | ٥٦,١٢٨,١٦٧ | ٣٦ | ٥٦,١٢٨,١٦٧ | ٣٦ | | | | | حساب المدينين (سلطة محلية) |
| ٥,١٨٢,٧٠٥ | ٩٩ | | | ٣,٠٥٢,٢٣٩,٤٣٢ | ٧١ | ٣,٠٤٧,٠٥٦,٧٢٦ | ٧٢ | ٣,٠٠٣,٨٢٨,١٨٥ | ٤١ | ٣,٠٤٧,٠٥٦,٧٢٦ | ٧٢ | ٤٨,٤١١,٢٤٧ | ٣٠ | | | الحسابات المساعدة الدائنة |
| ١,٠٦٥,٣٦٣ | ٩٩ | | | ١٩٢,٣٣٧,٢٨١ | ٣٥ | ١٩١,٢٧١,٩١٧ | ٣٦ | ١٤٤,٤٥٩,٤١٠ | ٥ | ١٩١,٢٧١,٩١٧ | ٣٦ | ٤٧,٨٧٧,٨٧١ | ٣٠ | | | حساب الموارد المشتركة |
| ٤,١١٧,٣٤٢ | | | | ٢٤,٨٩٥,٧٢٦ | | ٢٠,٧٧٨,٣٨٤ | | ٢٤,٣٦٢,٣٥٠ | | ٢٠,٧٧٨,٣٨٤ | | ٥٣٣,٣٧٦ | | | | حساب الحسابات الجارية |
| | | | | ٣,٤٩٢,٢٧٥ | | ٣,٤٩٢,٢٧٥ | | ٣,٤٩٢,٢٧٥ | | ٣,٤٩٢,٢٧٥ | | | | | | حساب المبالغ الدائنة تحت التسوية |
| | | | | ٢,٧٤٨,١٤٧,١٠٨ | ٣٦ | ٢,٧٤٨,١٤٧,١٠٨ | ٣٦ | ٢,٧٤٨,١٤٧,١٠٨ | ٣٦ | ٢,٧٤٨,١٤٧,١٠٨ | ٣٦ | | | | | |

حساب ختامي موازنة السلطة المحلية للسنة المالية ٢٠٠٩ م

جدول الحسابات الوسيطة

محافظة : شبوة

مديرية : مركز المحافظة

| بيان انواع الحسابات الوسيطة | | الرصيد في ٢٠٠٩ / ١ / ١ م | | | | عمليات السنة | | | | الجملة | | | | الرصيد في ٢٠٠٩ / ١٢ / ٣١ م | |
|-----------------------------|---------------------------------------|--------------------------|------------|------|------------|--------------|----------------|------|----------------|--------|----------------|------|----------------|----------------------------|------------|
| | | مدین | | دائن | | مدین | | دائن | | مدین | | دائن | | مدین | |
| | | ف | ريال | ف | ريال | ف | ريال | ف | ريال | ف | ريال | ف | ريال | ف | ريال |
| | حساب البنك أمانات | ٨٣ | ٥٠٠٦١٠٨٢٠ | | | ٤٧ | ٨٦٠٩٥٠٠١٤٧ | ٢٨ | ٨٤٠٩٤١٠٠٣٧ | ٣٠ | ٩٢٠٠١١٠٩٦٨ | ٢٨ | ٨٤٠٩٤١٠٠٣٧ | ٢ | ٧٠٠٧٠٠٩٣١ |
| | الحسابات الإنتقالية الدائنة | | | ٨٣ | ٥٠٠٦١٠٨٢٠ | ٢٨ | ٨٤٠٩٤١٠٠٣٧ | ٤٧ | ٨٦٠٩٥٠٠١٤٧ | ٢٨ | ٨٤٠٩٤١٠٠٣٧ | ٣٠ | ٩٢٠٠١١٠٩٦٨ | | ٧٠٠٧٠٠٩٣١ |
| | حساب مرتجع الأجور | | | ٨٣ | ٥٠٠٦١٠٨٢٠ | ٢٨ | ٨٤٠٦٦٧٠٢٤٨ | ٤٧ | ٨٦٠٦٧٦٠٣٥٨ | ٢٨ | ٨٤٠٦٦٧٠٢٤٨ | ٣٠ | ٩١٠٧٣٨٠١٧٩ | | ٧٠٠٧٠٠٩٣١ |
| | حساب التأمينات المتنوعة | | | | | | ٢٧٣٠٧٨٩ | | ٢٧٣٠٧٨٩ | | ٢٧٣٠٧٨٩ | | ٢٧٣٠٧٨٩ | | |
| | | | | | | | ٩٠٢٠٢٠٦٣٦ | | ٩٠٢٠٢٠٦٣٦ | | ٩٠٢٠٢٠٦٣٦ | | ٩٠٢٠٢٠٦٣٦ | | ٣٥٤٠٨٤٤ |
| | حساب الكفالات | | | | | | ٢٠١٠٠٠٠٠٠ | | ٢٠١٠٠٠٠٠٠٠ | | ٢٠١٠٠٠٠٠٠٠ | | ٢٠١٠٠٠٠٠٠٠ | | |
| | حساب أمانات الكفالات | | | | | | ٢٠١٠٠٠٠٠٠٠ | | ٢٠١٠٠٠٠٠٠٠٠ | | ٢٠١٠٠٠٠٠٠٠٠ | | ٢٠١٠٠٠٠٠٠٠٠ | | |
| | حساب الديون المستحقة للحكومة | | | | | | ٢٠٦٧٨٠٧٤٠ | | ٢٠٣٢٣٠٨٩٦ | | ٢٠٦٧٨٠٧٤٠ | | ٢٠٣٢٣٠٨٩٦ | | ٣٥٤٠٨٤٤ |
| | حساب متابعة مطلوبات الحكومة | | | | | | ٢٠٣٢٣٠٨٩٦ | | ٢٠٦٧٨٠٧٤٠ | | ٢٠٣٢٣٠٨٩٦ | | ٢٠٦٧٨٠٧٤٠ | | ٣٥٤٠٨٤٤ |
| | الحسابات الرقابية الإحصائية | | | | | | ١٩٠٥٠٧٠٧١٣ | | ١٩٠٥٠٧٠٧١٣ | | ١٩٠٥٠٧٠٧١٣ | | ١٩٠٥٠٧٠٧١٣ | | ١٠٦٥٣٠٤٣٣ |
| | حساب اكتساب الاصول غير المالية | | | | | | ١٠٠٥٨٠٠٥٧٣ | | ٨٠٩٢٧٠١٤٠ | | ١٠٠٥٨٠٠٥٧٣ | | ٨٠٩٢٧٠١٤٠ | | ١٠٦٥٣٠٤٣٣ |
| | حساب مراقبة اكتساب الاصول غير المالية | | | | | | ٨٠٩٢٧٠١٤٠ | | ١٠٠٥٨٠٠٥٧٣ | | ٨٠٩٢٧٠١٤٠ | | ١٠٠٥٨٠٠٥٧٣ | | ١٠٦٥٣٠٤٣٣ |
| | الإجمالي العام | ١٣ | ٥٣٠٤٧٣٠٠٦٨ | ١٣ | ٥٣٠٤٧٣٠٠٦٨ | ٢٥ | ١٤٠٧٢٨٠٥٣١٠٢٣٧ | ٢٥ | ١٤٠٧٢٨٠٥٣١٠٢٣٧ | ٣٨ | ١٤٠٧٨٢٠٠٠٤٠٣٠٥ | ٣٨ | ١٤٠٧٨٢٠٠٠٤٠٣٠٥ | ١ | ١٤٠٢٦١٠٩١٤ |

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

| حساب البنك اكتساب أصول غير مالية محلية | | | | | | | | | | الرصيد في ١٢ / ٢٠٠٩م | | الرصيد ١ / ٢٠٠٩م | | العمليات | | مدى | | رسال | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|------------------|--|----------|--|------|--|------|--|
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | رسال | |
| حساب السنة المالية | | | | | | | | | | الجملة | | مدى | | مدى | | رسال | | | |

[illegible]

حساب ختامي موازنة السلطة المحلية للسنة المالية ٢٠٠٩م
الجدول التجميعي للحسابات الوسيطة على مستوى الحسابات والمكاتب

[illegible]

| الحسابات الوسيطة | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|
| رسال | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | |
| رسال | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
| | | | | | | | | | | | | | | |

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

| الإجمالي | ٢٠١٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٠١ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٩ | | | | | | | | | | | | ٢١١٠ | | | | | | | | | | | | ٢١١١ | | | | | | | | | | | | ٢١١٢ | | | | | | | | | | | | ٢١١٣ | | | | | | | | | | | | ٢١١٤ | | | | | | | | | | | | ٢١١٥ | | | | | | | | | | | | ٢١١٦ | | | | | | | | | | | | ٢١١٧ | | | | | | | | | | | | ٢١١٨ | | | | | | | | | | | | ٢١١٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٢١ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٣١ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٤١ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٥١ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٦١ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٧١ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٨١ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٩١ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢١١ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٤٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٤١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٤٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٤٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٤٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٤٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢٤٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢٤٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢٤٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢٤٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٥٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٥١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٥٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٥٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٥٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٥٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢٥٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢ | | | | | | | | | | | |
|----------|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|----------|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

[illegible]

حساب ختامي موازنة السلطة المحلية للسنة المالية ٢٠٠٩م
الجدول التجميعي للحسابات الوسيطة على مستوى الحسابات والمكاتب

| الحسابات الوسيطة | | | | | | | | | | | | | الإجمالي | |
|---------------------------|------|---|------|---|------|---|------|---|------|---|------|---|----------|--|
| رسال | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد ١ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| ف | رسال | ف | رسال | ف | رسال | ف | رسال | ف | رسال | ف | رسال | ف | الإجمالي | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |
| مدین | | | | | | | | | | | | | | |
| الرصيد في ٣١ / ١٢ / ٢٠٠٩م | | | | | | | | | | | | | | |
| حساب مرتجع الأجور | | | | | | | | | | | | | | |
| الجملة | | | | | | | | | | | | | | |

حساب ختامي موازنة السلطة المحلية للسنة المالية ٢٠٠٩م
الجدول التجميعي للحسابات الوسيطة على مستوى الحسابات والمكاتب

| الإجمالي | ٢٠١٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠١١ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٠١ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٩ | | | | | | | | | | | | ٢١١٠ | | | | | | | | | | | | ٢١١١ | | | | | | | | | | | | ٢١١٢ | | | | | | | | | | | | ٢١١٣ | | | | | | | | | | | | ٢١١٤ | | | | | | | | | | | | ٢١١٥ | | | | | | | | | | | | ٢١١٦ | | | | | | | | | | | | ٢١١٧ | | | | | | | | | | | | ٢١١٨ | | | | | | | | | | | | ٢١١٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٢١ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٣١ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٤١ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٥١ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٦١ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٧١ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٨١ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٩١ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢١١ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٥ | | | | | | | | | | | |
|----------|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|----------|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

| الإجمالي | ٢٠١٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠١١ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠١٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٢٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٣٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٤٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٥٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٦٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٧٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٨٩ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٠ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩١ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٢ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٣ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٤ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٥ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٦ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٧ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٨ | | | | | | | | | | | | ٢٠٩٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٠١ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٠٩ | | | | | | | | | | | | ٢١١٠ | | | | | | | | | | | | ٢١١١ | | | | | | | | | | | | ٢١١٢ | | | | | | | | | | | | ٢١١٣ | | | | | | | | | | | | ٢١١٤ | | | | | | | | | | | | ٢١١٥ | | | | | | | | | | | | ٢١١٦ | | | | | | | | | | | | ٢١١٧ | | | | | | | | | | | | ٢١١٨ | | | | | | | | | | | | ٢١١٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٢١ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٢٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٣١ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٣٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٤١ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٤٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٥١ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٥٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٦١ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٦٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٧١ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٧٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٨١ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٨٩ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٠ | | | | | | | | | | | | ٢١٩١ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٢ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٣ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٤ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٥ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٦ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٧ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٨ | | | | | | | | | | | | ٢١٩٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢٠٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢١١ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢١٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٥ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٦ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٧ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٨ | | | | | | | | | | | | ٢٢٢٩ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٠ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣١ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٢ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٣ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٤ | | | | | | | | | | | | ٢٢٣٥ | | | | | | | | | | | |
|----------|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|----------|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

